www.sgbauonline.com

(क) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **तीन** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 3

(i) अपना उल्लू सीधा करना

(ii) कमर कसना

(iii) उँगली पर नचाना

(iv) घी के दीये जलाना

(v) दाँतों तले उँगली दबाना

(vi) नौ-दो ग्यारह होना।

(ड) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 2

(i) आधा तीतर आधा बटेर

(ii) एक तो करेला, दूसरे नीम चढ़ा

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम

(iv) दूध का जला छाछ फूँक-फूँक कर पीता है।

(य) अपने मित्र को उसके जन्मदिन पर बधाई हेतु पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने माताजी को स्नातक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने की सूचना देने वाला पत्र लिखिए।

AQ–43

B.A. (Part II) Examination

(Modern Indian Language)

HINDI (Compulsory)

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 70

1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (आधारभूत पाठ्यक्रम) : 10

(क) मानवीय प्रवृत्ति के संदर्भ में लेखक जे. कृष्णमूर्ति के विचार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'प्रदूषण मानव निर्मित समस्या है।' इस कथन को ज़हरीले वातावरण में पनपता जीवन निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) लघूत्तरी प्रश्न (किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए) : 10

(i) स्वामी विवेकानन्द ने स्वदेश-भक्ति के सम्बन्ध में क्या कहा है ?

(ii) नाखून क्यों बढ़ते हैं ? निबंध में अस्त्र बढ़ाने की प्रवृत्ति मनुष्यता की विरोधिनी है, ऐसा लेखक क्यों कहते हैं ?

(iii) कार्ल मार्क्स और गाँधीजी के संबंध में लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' के विचार लिखिए।

(iv) स्वामी विवेकानन्द नवयुवकों से क्या अपेक्षा करते हैं ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (भाषागत पाठ्यक्रम) : 10

(ग) "हार की जीत" कहानी में हार किस प्रकार जीत में बदल जाती है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विज्ञान और धर्म के बारे में अलबर्ट आइन्स्टाइन के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) लघूत्तरी प्रश्न (किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए) : 10

(i) घुमक्कड़ के लिए भूगोल के नक्शे का ज्ञान आवश्यक क्यों है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'प्राप्त का सुख : अप्राप्त का दुःख' निबंध के आधार पर भूख और व्याधि का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'सदाचार का ताबीज़' का व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) भाई रामसिंह को संत और महाराज की उपाधि क्यों मिली ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10

(प) रहीम के दोहों में व्यक्त नीतिगत भावों को स्पष्ट कीजिए।

(फ) 'सुख-दुःख' कविता में व्यक्त भावनाओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ब) हरिवंशराय बच्चन की कविता "लहरों का निमंत्रण" का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(भ) 'मैं मनुष्य के भविष्य से निराश नहीं' कविता में कवि के आशावादी दृष्टिकोण को प्रस्तुत कीजिए।

4. व्यावहारिक भाषा एवं व्याकरण : 5

(अ) अपठित गद्यांश का सार शीर्षक सहित लिखिए :

संसार की प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। क्षण घण्टों में, घण्टे दिनों में, दिन सप्ताह में, सप्ताह मास में और मास वर्षों में परिवर्तित होते रहते हैं। इस प्रकार संसार-सागर की लहरें मानवता के बेड़े को निरंतर आगे बढ़ाती रहती है और कालान्तर में एक प्राचीन और नवीन सभ्यता और संस्कृति का अवसान और आरम्भ होता हुआ दिखाई देता है। कुछ वस्तुओं में परिवर्तन इतना जल्दी होता है कि हमें प्रत्यक्ष जान पड़ता है, कुछ में अन्तर धीरे-धीरे, इतना धीरे कि हमें प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं देता। उद्यान में विकसित कुछ पुष्प कितनी जल्दी प्रफुल्लित होते हैं और फिर कुम्हला जाते हैं और अंत में पंखुरिया गिरने लगती हैं कि इसका अनुभव साधारणत: प्रत्येक मानव को हो जाता है, परन्तु समस्त उद्यान में भी धीरे-धीरे परिवर्तन होता रहता है जिसका प्रत्यक्ष अनुभव कालान्तर में होता है। इस प्रकार प्रतिक्षण प्रत्येक ऐहिक वस्तु में परिवर्तन होता रहता है, यह भारतीय क्षणवाद का ध्रुव सिद्धांत है। कवि की दृष्टि में यह परिवर्तन ही जीवन है। अस्थिरता और परिवर्तन ही जीवन का प्रतीक है।

(ब) निम्नलिखित का कल्पना विस्तार से लिखिए : 5

"का वर्षा जब कृषि सुखाने।"

अथवा

'जीवन एक फूल है और प्रेम उसकी सुगन्ध।'

www.sgbauonline.com